फंतासी

फंतासी कल्पना पर आधारित ऐसा तथ्य है जो कवि पाठक एवं दर्शक को सच्चाई से अभिभूत करने का प्रतीति कराता है। फंतासी के बारे में मुक्तिबोध का विचार इस प्रकार है " फंतासी मन के निगूढ़ वृत्तियों का, अनुभूत जीवन समस्याओं का, इच्छित विश्वासों व इच्छित जीवन स्थितियों का प्रक्षेप होता है।

ब्रह्मराक्षस में और अंधेरे में कविता में मुक्तिबोध की फंतासी देखने को मिला है। फंतासी के तीन प्रयोजन होते हैं (1) मनोरंजन, यथार्थ से पलायन और दोषयुक्त मानव तथा दोषयुक्त संसार के प्रति नवीन दृष्टिकोण।

कुल मिला कर कहा जा सकता है कि फंतासी कल्पना का शाश्वत एक ऐसा योजना है जिसमें संसार एवं मानव के लिए एक नई दृष्टिकोण विकसीत करना है।

मिथक

मिथक शब्द (मिथ) अंग्रेजी के मिथ एवं ग्रीक शब्द माइथोस शब्द पर आधारित है। मिथ शब्द का उपयोग पौराणिक कथा या कल्पित कथा के लिए किया जाता है। अरस्तू के पुस्तक पोयटिक्स में मिथक का प्रयोग मनगढ़न्त कथा के लिए किया गया है। मिथक परम्परागत अनश्रुत कथा है जो किसी व्यक्ति या घटना से सम्बन्धित होती है।

अमलेश कुमार